RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
दिसंबर
07
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

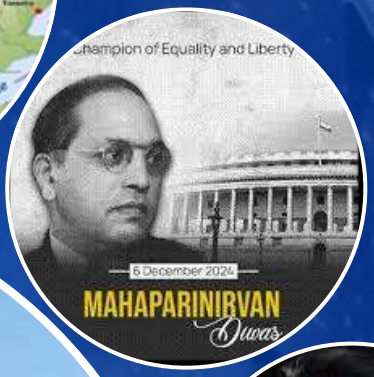

By Ankit Avasthi Sir

लेक-इफेक्ट स्नो / Lake-effect snow

हाल ही में उत्तरी अमेरिका की ग्रेट लेक्स के आसपास के क्षेत्रों, जैसे न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया, ओहायो और मिशिगन, में "लेक-इफेक्ट स्नो" का प्रभाव देखा गया। इस घटना के कारण न्यूयॉर्क के लेक एरी के पास एक भारी बर्फीले तूफान ने घरों को बर्फ से ढके "इग्लू" में बदल दिया।

लेक-इफेक्ट स्नो क्या है?

लेक-इफेक्ट स्नो एक स्थानीय मौसमीय घटना है, जिसमें बड़े झीलों के गर्म पानी और ठंडी हवा के संपर्क से भारी बर्फबारी होती है।

प्रमुख क्षेत्र:

यह घटना मुख्य रूप से अमेरिका की ग्रेट लेक्स के आसपास के क्षेत्रों में देखी जाती है, जैसे न्यूयॉर्क, मिशिगन, ओहायो और पेंसिल्वेनिया।

बनने की प्रक्रिया:

1. **ठंडी हवा का प्रभाव:**
   कनाडा से आने वाली ठंडी हवा झीलों के गर्म और बर्फ-मुक्त पानी पर बहती है।
2. **गर्मी और नमी का स्थानांतरण:**
   झील का गर्म पानी हवा में गर्मी और नमी पहुंचाता है।
3. **बर्फ के बादल बनना:**
   जब यह गर्म हवा ठंडी होकर ऊपर उठती है, तो यह बादल बनाती है, जिससे भारी बर्फबारी होती है।

प्रभाव डालने वाले कारक:

- **हवा की दिशा:** यह तय करती है कि किस क्षेत्र में बर्फबारी होगी।
- **ठंडी हवा का तापमान:** झील के पानी और ठंडी हवा के तापमान में जितना अधिक अंतर होगा, बर्फ उतनी ही घनी होगी।
- **भौगोलिक विशेषताएँ:** झील का आकार, गहराई, और आसपास की भौगोलिक संरचनाएँ (जैसे पहाड़ और घाटियाँ) बर्फबारी की तीव्रता को प्रभावित करती हैं।

यह घटना तेज बर्फबारी की वजह से प्रभावित क्षेत्रों में घरों और परिवहन पर गहरा असर डालती है।

उत्तरी अमेरिका की ग्रेट लेक्स के बारे में:

ग्रेट लेक्स: ग्रेट लेक्स उत्तरी अमेरिका की पाँच बड़ी और जुड़ी हुई मीठे पानी की झीलों का समूह है।

ग्रेट लेक्स के नाम:

1. सुपीरियर (Superior)
2. मिशिगन (Michigan)
3. ह्यूरॉन (Huron)
4. ईरी (Erie)
5. ओंटारियो (Ontario)

महत्वपूर्ण तथ्य:

- ये झीलें सेंट लॉरेंस नदी के माध्यम से अटलांटिक महासागर से जुड़ी हैं।
- इलिनॉय वॉटरवे के जरिए ये मिसिसिपी नदी बेसिन से भी जुड़ती हैं।
- मिशिगन झील पूरी तरह अमेरिका के भीतर स्थित है, जबकि बाकी चार झीलें अमेरिका और कनाडा की सीमा पर हैं।
- मिशिगन और ह्यूरॉन झीलें स्ट्रेट्स ऑफ मैकिनैक के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ी हैं।

विशेषताएँ:

- यह दुनिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील प्रणाली है, क्षेत्रफल के हिसाब से।
- जल की मात्रा के हिसाब से यह दूसरी सबसे बड़ी प्रणाली है, जिसमें पृथ्वी के सतही मीठे पानी का 21% संग्रहित है।

ग्रेट लेक्स न केवल प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक हैं, बल्कि ये उत्तरी अमेरिका के परिवहन, व्यापार और जल संसाधन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

Axiom-4 मिशन / Axiom-4 mission

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने घोषणा की है कि अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के लिए Axiom-4 मिशन (2024 में लॉन्च) हेतु चुने गए दो भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों ने प्रशिक्षण का प्रारंभिक चरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

- **प्राइम-ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला** और
- **बैकअप-ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर**- ये दोनों अंतरिक्ष यात्री भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

एक्सिओम-4 मिशन के बारे में (About Axiom-4 Mission):

- एक्सिओम मिशन 4 (AX-4) एक निजी अंतरिक्ष उड़ान है जिसे एक्सिओम स्पेस द्वारा आयोजित किया गया है।
- इस मिशन का उद्देश्य 14-दिन के लिए एक क्रू को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर भेजना है।
- यह एक्सिओम स्पेस का चौथा मिशन है; इसके पूर्व मिशन (AX-1, AX-2 और AX-3) भी इसी प्रकार के थे।
- इस मिशन को स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट का उपयोग करके फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा।
- इस मिशन के लिए अंतरिक्ष यान स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन होगा, जो अपनी उन्नत तकनीक और सुरक्षा सुविधाओं के लिए जाना जाता है।
- यह मिशन नासा के सहयोग से आयोजित किया गया है, जो निजी अंतरिक्ष कंपनियों और सरकारी अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच मजबूत साझेदारी को दर्शाता है, जिससे अंतरिक्ष अन्वेषण और अनुसंधान को आगे बढ़ाया जा सके।

मिशन उद्देश्य (Mission Objectives):

वाणिज्यिक अंतरिक्ष प्रयास (Commercial Space Efforts): Axiom-4 का उद्देश्य अंतरिक्ष में वाणिज्यिक गतिविधियों (commercial activities)को बढ़ावा देना है, जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी विकास और अंतरिक्ष पर्यटन शामिल हैं।

- यह मिशन यह दिखाने में मदद करेगा कि वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन व्यवसाय (commercial space stations) और नवाचार (innovation) के लिए एक प्लेटफार्म के रूप में कैसे कार्य कर सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (International Collaboration): Axiom-4 मिशन विभिन्न देशों के अंतरिक्ष यात्रियों की विविध टीम को लेकर जाएगा, जो अंतरिक्ष अन्वेषण (space exploration) में बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय रुचि को दर्शाता है।

- यह मिशन देशों के बीच साझेदारी को मजबूत करेगा और वैश्विक अंतरिक्ष पहलों में योगदान देगा।

अनुसंधान और विकास (Research and Development): मिशन अंतरिक्ष की अनोखी सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (microgravity) स्थिति में विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों और तकनीकी परीक्षणों का समर्थन करेगा।

भारत का गगनयान मिशन (India's Gaganyaan Mission) :

गगनयान मिशन (Gaganyaan Mission) भारत का एक महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा विकसित किया जा रहा है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की कक्षा में भेजना (Earth orbit) और सुरक्षित रूप से वापस लाना है।

भारत के गगनयात्री और गगनयान मिशन (India's Gaganyaan and Gaganyaan missions):

- गगनयान मिशन (Gaganyaan mission) की परिकल्पना इसरो (ISRO) ने 2007 में की थी, जिसका उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना और सुरक्षित वापस लाना है। यह परियोजना 2018 में 10,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ शुरू की गई थी।
- इस मिशन के लिए चार भारतीय वायु सेना पायलटों (Four Indian Air Force pilots) का चयन किया गया है, जिन्हें रूस (Russia) में प्रशिक्षण दिया गया। इसरो ने बेंगलुरु (Bengaluru) में एक अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा भी स्थापित की है।

चयनित गगनयात्री (Selected Gaganyaan):

1. ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला (Group Captain Shubhanshu Shukla)
2. प्रशांत बालकृष्णन नायर (Prashant Balakrishnan Nair)
3. अजीत कृष्णन (Ajit Krishnan)
4. अंगद प्रताप (Angad Pratap)

गगनयान मिशन का महत्व (Importance of Gaganyaan Mission):

- वैज्ञानिक और तकनीकी-
- अंतरिक्ष अनुसंधान में योगदान -
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और कूटनीति-
- आर्थिक लाभ -

गैलेफू माइंडफुलनेस सिटी प्रोजेक्ट / Galefu Mindfulness City Project

भारत और भूटान ने किंग जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और क्वीन जेटसन पेमा की यात्रा के दौरान बिजली और शहरी योजना में द्विपक्षीय परियोजनाओं पर चर्चा की।

- दोनों पक्षों ने **गैलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना और जलविद्युत के क्षेत्रों में सहयोग** जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्य बिंदु:

1. **गैलेफू माइंडफुलनेस सिटी प्रोजेक्ट पर सहयोग**:
   - प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान के राजा को गैलेफू माइंडफुलनेस सिटी प्रोजेक्ट में भारत के निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।
   - इस परियोजना का उद्देश्य भूटान और सीमा क्षेत्रों में समृद्धि और भलाई लाना है।
   - यह दोनों देशों के बीच आर्थिक और निवेश संबंधों को और मजबूत करेगा।
2. **जलविद्युत परियोजनाओं पर चर्चा**:
   - 1020 मेगावाट के पुनात्सांगचू-II जलविद्युत परियोजना के लगभग पूरा होने पर संतोष व्यक्त किया गया।
   - पुनात्सांगचू-I परियोजना को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता पर सहमति बनी।
   - नई जलाशय जलविद्युत परियोजनाओं के लिए त्वरित रूप से कार्यप्रणाली को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई।
3. **सीमा पार संपर्क परियोजनाएं**:
   - रेललाइन और डिजिटल नेटवर्क सहित सीमा पार कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर बातचीत हुई।
4. **भूटान के राजपरिवार की यात्रा का महत्व**:
   - यह यात्रा प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे की भारत यात्रा के कुछ दिनों बाद हुई, जहां उन्होंने ग्लोबल कोऑपरेटिव्स अलायंस का उद्घाटन किया।
   - भारत की भूटान के साथ यह साझेदारी कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, खासतौर पर बांग्लादेश और नेपाल में बदलते संबंधों के संदर्भ में।
5. **क्षेत्रीय कूटनीति का संदर्भ**:
   - नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चीन के साथ बेल्ट एंड रोड सहयोग के लिए नया फ्रेमवर्क समझौता किया है, जिससे भारत को कूटनीतिक चुनौतियां मिली हैं।

गैलेफू माइंडफुलनेस सिटी प्रोजेक्ट के बारे में:

1. **स्थान**: गैलेफू, भूटान का एक दक्षिणी शहर, जो भारतीय सीमा के पास स्थित है।
2. **वित्त पोषण**: यह परियोजना भूटान द्वारा भारत के सहयोग से वित्त पोषित है।
3. **परियोजना का उद्देश्य**:
   - यह एक स्थायी शहरी विकास परियोजना है।
   - इसका उद्देश्य भूटान और पड़ोसी भारतीय क्षेत्रों में समृद्धि, भलाई और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है।
4. **भारत की भूमिका**:
   - इस परियोजना में भारत वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है।
   - क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी को मजबूत करने में योगदान करता है।

पुनात्सांगचू-II जलविद्युत परियोजना के बारे में:

1. **स्थान**: पुनाखा जिला, भूटान।
2. **नदी**:
   - यह परियोजना पुनात्सांगचू नदी पर स्थित है।
   - यह नदी फोचू और मोचू नदियों के संगम से बनती है, जो हिमालय से निकलती हैं।
   - पुनात्सांगचू नदी अंततः ब्रह्मपुत्र नदी में मिलती है।
3. **भारत की भूमिका**:
   - इस परियोजना में भारत वित्तीय सहायता, तकनीकी विशेषज्ञता और बुनियादी ढांचे का सहयोग प्रदान कर रहा है।
   - यह द्विपक्षीय ऊर्जा सहयोग को मजबूत करता है।

मौद्रिक नीति समिति बैठक / Monetary Policy Committee meeting

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति की 52वीं बैठक में प्रमुख नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया। रेपो दर को 6.50% पर स्थिर रखा गया, जबकि नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में 50 आधार अंकों की कटौती कर इसे 4% किया गया।

आरबीआई एमपीसी बैठक (दिसंबर 2024) के मुख्य बिंदु:

1. **रेपो रेट:**
   - रेपो दर को 6.5% पर स्थिर रखा गया, जो फरवरी 2023 से स्थिर है।
   - यह लगातार 11वीं बार है जब ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।
2. **सीआरआर कटौती:**
   - नकद आरक्षित अनुपात (CRR) 4.50% से घटाकर 4% किया गया, जिससे बैंकों को अतिरिक्त नकदी मिलेगी।
3. **मुद्रास्फीति:**
   - मुद्रास्फीति में वृद्धि का अनुमान है, जिससे आर्थिक विकास पर असर पड़ सकता है।
   - GDP वृद्धि दर FY25 के लिए 7.2% से घटाकर 6.6% की गई।
4. **जीडीपी वृद्धि अनुमान:**
   - FY25 की पहली तिमाही में 6.9% और दूसरी तिमाही में 7.3% वृद्धि का अनुमान।
   - समग्र GDP वृद्धि 6.6% रहने का अनुमान।
5. **मुद्रास्फीति अनुमान:**
   - FY25 के लिए मुद्रास्फीति दर 4.8%, FY26 Q1 और Q2 के लिए 4.6% और 4% रहने की उम्मीद।
6. **डिजिटल सुरक्षा:**
   - डिजिटल धोखाधड़ी रोकने के लिए Mulehunter.AI जैसे नए टूल्स का इस्तेमाल।
7. **यूपीआई सेवा का विस्तार:**
   - यूपीआई सेवाएं अब छोटे वित्तीय बैंकों तक बढ़ाई जाएंगी, जिससे डिजिटल लेन-देन बढ़ेगा।
8. **किसानों के लिए राहत:**
   - बिना गिरवी रखे कृषि ऋण की सीमा को 1.6 लाख से बढ़ाकर 2 लाख रुपये की गई।
   - यह निर्णय महंगाई और कृषि लागत को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

मौद्रिक नीति समिति (MPC):

1. **गठन और पृष्ठभूमि:**
   - MPC की स्थापना भारत सरकार और RBI के समझौते से की गई।
   - इसका उद्देश्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
   - इसे 2016 में रिजर्व बैंक अधिनियम के माध्यम से वैधानिक दर्जा मिला।
   - MPC हर दो महीने में बैठक करती है और ब्याज दरों में बदलाव करती है।
2. **कानूनी प्रावधान:**
   - केंद्र सरकार को छह सदस्यीय MPC गठित करने का अधिकार है।
3. **कार्य:**
   - MPC का मुख्य कार्य रेपो दर (Repo Rate) निर्धारित करना है ताकि मुद्रास्फीति लक्ष्य के भीतर रहे।
   - यह पहले की तकनीकी सलाहकार समिति की जगह कार्य करता है।
4. **संरचना:**
   - MPC के छह सदस्य होते हैं:
     - RBI गवर्नर (अध्यक्ष),
     - RBI के डिप्टी गवर्नर,
     - RBI बोर्ड द्वारा नामित एक अधिकारी,
     - केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त तीन बाहरी सदस्य।
   - बाहरी सदस्यों का कार्यकाल 4 साल होता है।
   - बैठक में कम से कम चार सदस्य होने चाहिए, जिनमें एक RBI गवर्नर या डिप्टी गवर्नर होना चाहिए।
5. **निर्णय प्रक्रिया:**
   - MPC के निर्णय बहुमत से होते हैं।
   - वोटों में बराबरी होने पर RBI गवर्नर का निर्णायक वोट होता है।
   - MPC के निर्णय RBI के लिए बाध्यकारी होते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्या घर योजना / Prime Minister Surya Ghar Yojana

प्रधानमंत्री सूर्या घर योजना, भारत की सबसे बड़ी घरेलू रूफटॉप सोलर पहल है, जो 2027 तक एक करोड़ घरों को सौर ऊर्जा उपलब्ध कराएगी।

मुख्य बिंदु:

1. **लक्ष्य:**
   - मार्च 2027 तक एक करोड़ घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना।
2. **इंस्टॉलेशन का अनुमान:**
   - मार्च 2025 तक 10 लाख, अक्टूबर 2025 तक 20 लाख, मार्च 2026 तक 40 लाख और मार्च 2027 तक एक करोड़ इंस्टॉलेशन पूरे होंगे।
3. **योजना का शुभारंभ:**
   - यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 फरवरी 2024 को शुरू की।
4. **सहायता राशि:**
   - योजना के तहत 40 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाती है, जिससे सौर ऊर्जा सस्ती और सुलभ होती है।
5. **इंस्टॉलेशन की प्रगति:**
   - 9 महीनों में 6.3 लाख इंस्टॉलेशन पूरे हो चुके हैं, और मासिक इंस्टॉलेशन दर 70,000 तक पहुंच गई है।
6. **सरकार को बचत:**
   - इस योजना से सरकार को ₹75,000 करोड़ की वार्षिक बिजली लागत बचत होने का अनुमान है।
7. **स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा:**
   - यह पहल भारत को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाती है।

मुख्य लाभ:

1. **घरानों को मुफ्त बिजली:**
   इस योजना के तहत, घरों को सब्सिडी पर रूफटॉप सोलर पैनल की स्थापना के माध्यम से मुफ्त बिजली दी जाती है, जिससे उनके ऊर्जा खर्च में महत्वपूर्ण कमी आती है।
2. **सरकार के बिजली खर्च में कमी:**
   सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देने से सरकार को अनुमानित ₹75,000 करोड़ की वार्षिक बिजली लागत बचत होने का अनुमान है।
3. **नवीकरणीय ऊर्जा का बढ़ता उपयोग:**
   यह योजना नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने को बढ़ावा देती है, जिससे भारत में अधिक सतत और पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा मिश्रण को बढ़ावा मिलता है।
4. **कार्बन उत्सर्जन में कमी:**
   इस योजना के तहत सौर ऊर्जा की ओर बदलाव करने से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, जिससे भारत के कार्बन फुटप्रिंट को घटाने में मदद मिलेगी।

प्रभाव :

1. **बचत और आय:** घरों को बिजली बिलों पर बचत होगी, और अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी होगी।
2. **सौर क्षमता विस्तार:** योजना से 30 GW सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार होगा, जिससे भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को मदद मिलेगी।
3. **पर्यावरणीय लाभ:** 25 वर्षों में 1000 बीयू बिजली और 720 मिलियन टन CO2 उत्सर्जन की बचत होगी।
4. **रोजगार सृजन:** योजना से लगभग 17 लाख नए रोजगार उत्पन्न होंगे।

सौर पैनल और पर्यावरणीय लाभ:

1. **कार्बन उत्सर्जन में कमी:** सौर पैनल बिजली उत्पन्न करते हैं बिना कार्बन डाइऑक्साइड को वातावरण में छोड़े, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम होता है।
2. **नवीकरणीय ऊर्जा:** सौर पैनल सूरज की ऊर्जा का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करते हैं, जो एक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है।
3. **कम कार्बन पदचिह्न:** सौर ऊर्जा का कार्बन पदचिह्न बहुत कम होता है और यह जीवाश्म ईंधनों से ज्यादा पर्यावरण के अनुकूल है।
4. **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन नहीं:** सौर पैनल ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन नहीं करते।
5. **न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव:** सौर ऊर्जा का पर्यावरण पर प्रभाव जीवाश्म ईंधनों की तुलना में बहुत कम होता है।
6. **जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता में कमी:** सौर ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करने में मदद करती है।
7. **पानी की खपत में कमी:** सौर पैनल को काम करने के लिए पानी की आवश्यकता नहीं होती, जबकि अन्य ऊर्जा स्रोतों को पानी चाहिए।
8. **पानी प्रदूषण में कमी:** सौर ऊर्जा पारंपरिक पावर प्लांट्स की तरह पानी प्रदूषण नहीं करती।
9. **बिजली बिलों में कमी:** सौर ऊर्जा आपके मासिक बिजली बिलों को काफी हद तक घटा सकती है।

आईएनएस तुशिल / INS Tushil

भारतीय नौसेना ने 6 दिसंबर 2024 को अपने नए स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशिल (INS Tushil) का क्रेस्ट जारी किया।

- 9 दिसंबर को इसे इंडियन नेवी को सौंपा जाएगा.

आईएनएस तुशील: मुख्य बिंदु-

1. परिचय:

- आईएनएस तुशील प्रोजेक्ट 1135.6 का अपग्रेडेड क्रिवाक III क्लास का फ्रिगेट है।
- यह तलवार क्लास और टेग क्लास के जहाजों का अपग्रेडेड संस्करण है।

2. निर्माण और अनुबंध:

- अनुबंध अक्टूबर 2016 में भारतीय नौसेना, भारत सरकार और जेएससी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के बीच हुआ।
- निर्माण की निगरानी भारतीय विशेषज्ञों ने कलिनिनग्राद, रूस में की।

3. तकनीकी विशेषताएं:

- लंबाई: 125 मीटर; वजन: 3900 टन।
- स्टेल्थ और स्थिरता में उन्नत।
- गति: 30 नॉट से अधिक।
- स्वदेशी सामग्री: 26% तक बढ़ाई गई।

4. प्रमुख भारतीय योगदानकर्ता (OEMs):

- ब्रह्मोस एयरोस्पेस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, केलट्रॉन, टाटा से नोवा, जॉनसन कंट्रोल्स इंडिया आदि।

5. परीक्षण और ट्रायल्स:

- जहाज ने फैक्टरी सी ट्रायल्स, स्टेट कमेटी ट्रायल्स और डिलीवरी एक्सेप्टेंस ट्रायल्स को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- ट्रायल्स में सभी रूसी उपकरणों और हथियार प्रणालियों का परीक्षण शामिल था।

6. नाम और आदर्श वाक्य:

- नाम 'तुशील' का अर्थ: रक्षक कवच।
- आदर्श वाक्य: 'निर्भय, अभेद्य और बलशील'।

7. समुद्री सेवा और उपयोगिता:

- यह फ्रिगेट पश्चिमी नौसेना कमान के पश्चिमी बेड़े में शामिल होगा।
- दुनिया के सबसे उन्नत फ्रिगेट्स में से एक।

8. भारत-रूस साझेदारी:

- यह जहाज भारत-रूस सहयोग का प्रतीक है।

9. युद्ध क्षमता:

- जहाज अत्याधुनिक तकनीकों और मजबूत प्रहार क्षमताओं के लिए जाना जाता है।
- यह युद्धपोत भारतीय और रूसी विशेषज्ञता का उत्कृष्ट मिश्रण है।

आईएनएस तुशील: हथियार और युद्धक क्षमताएं-

1. मिसाइल सिस्टम:

- 8 इग्ला-1ई
- 8 वर्टिकल लॉन्च एंटी-शिप मिसाइल क्लब
- 8 वर्टिकल लॉन्च एंटी-शिप और लैंड अटैक ब्रह्मोस मिसाइल

2. नेवल गन्स:

- 100 मिमी A-190E नेवल गन
- 76 मिमी ओटो मेलारा नेवल गन

3. क्लोज-इन वेपन सिस्टम (CIWS):

- 2 AK-630 CIWS गन
- 2 कश्तान CIWS गन

4. अन्य हथियार: 2 टॉरपीडो ट्यूब्स (533 मिमी) और रॉकेट लॉन्चर

भारत-रूस रक्षा सहयोग:

1. सहयोग: भारत और रूस के बीच रक्षा साझेदारी दशकों पुरानी है।

- आईएनएस तुशील इसका प्रमुख उदाहरण है।

2. 2016 समझौता: इस समझौते के तहत दो फ्रिगेट (आईएनएस तुशील और आईएनएस तमाल) रूस में बनाए जाने को लेकर हुआ था।

- दो और फ्रिगेट भारत के गोवा शिपयार्ड में रूसी तकनीकी सहायता से बनाए जाएंगे।

3. यंतर शिपयार्ड का अनुभव: यंतर शिपयार्ड ने पहले भी भारतीय नौसेना के लिए तीन तलवार क्लास फ्रिगेट बनाए हैं।

- यह भारतीय नौसेना की जरूरतों को पूरा करने में अनुभवी है।

4. विशेष प्रणालियों का समझौता:

- यह सौदा केवल जहाज निर्माण तक सीमित नहीं है।
- इसमें भारत के लिए 22 विशेष प्रणालियां शामिल हैं, जैसे:
  - संचार उपकरण
  - हथियार प्रणालियां

अन्ना चक्र और स्कैन पोर्टल / Anna Chakra and SCAN Portal

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के आधुनिकीकरण हेतु 'अन्न चक्र' आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन उपकरण और 'स्कैन' (NFSA के लिए सब्सिडी दावा आवेदन) पोर्टल लॉन्च किया।

अन्न चक्र:

अन्न चक्र सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) की आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित और कुशल बनाने का एक महत्वपूर्ण पहल है। इसे खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (WFP) और आईआईटी-दिल्ली के FITT के सहयोग से विकसित किया है।

यह परियोजना उन्नत एल्गोरिदम का उपयोग करके खाद्यान्न की आपूर्ति में सुधार लाती है और भारत की 81 करोड़ जनता तक तेज़ व कुशल खाद्य सुरक्षा पहुंच सुनिश्चित करती है।

अन्न चक्र की प्रमुख विशेषताएं:

1. **मार्ग अनुकूलन (Route Optimization):**
   - उन्नत एल्गोरिदम का उपयोग करके कुशल मार्गों की पहचान, जिससे ईंधन, समय, और परिवहन लागत में कमी।
2. **इंटीग्रेशन:**
   - रेलवे के फ्रेट ऑपरेशन इंफॉर्मेशन सिस्टम (FOIS) और पीएम गति शक्ति प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण, जो FPS और गोदामों के भौगोलिक स्थान को मैप करता है।
3. **पर्यावरणीय लाभ:**
   - ईंधन खपत में कमी के कारण कार्बन उत्सर्जन कम होना, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता बढ़ती है।
4. **लागत बचत:**
   - अनुमानित वार्षिक बचत ₹250 करोड़ और 58 करोड़ QKM (क्विंटल x किलोमीटर) में कमी।
5. **व्यापक कवरेज:**
   - 4.37 लाख उचित मूल्य की दुकानें और लगभग 6700 गोदाम इस पहल में शामिल।

SCAN पोर्टल: एक परिचय-

SCAN (Subsidy Claim Application for NFSA) पोर्टल, राज्यों द्वारा खाद्य सब्सिडी दावों की एकल विंडो में जमा करने की सुविधा प्रदान करता है। यह पोर्टल, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (DFPD) द्वारा दावों की जांच और स्वीकृति को स्वचालित रूप से संचालित करता है, जिससे सब्सिडी निपटान प्रक्रिया में तेजी आती है।

SCAN पोर्टल की प्रमुख विशेषताएं:

1. **एकल विंडो सबमिशन (Single-Window Submission)**
   - राज्यों द्वारा दावों की सुव्यवस्थित और सरल तरीके से सबमिशन।
2. **स्वचालित कार्यप्रवाह (Automated Workflow)**
   - दावे की जांच, स्वीकृति और निपटान को नियम-आधारित स्वचालन द्वारा संचालित किया जाता है।
3. **सब्सिडी निपटान में दक्षता (Efficiency in Subsidy Settlement)**
   - वास्तविक समय में निगरानी सक्षम बनाता है और फंड के वितरण में देरी को कम करता है।

PDS प्रणाली की चुनौतियाँ:

1. **अनाज की चोरी**: परिवहन के दौरान अनाज का एक हिस्सा चोरी हो जाता है या काले बाजार में बेच दिया जाता है।
2. **समावेशन और बहिष्करण में त्रुटियाँ**: गैर-योग्य परिवारों को लाभ मिलना और योग्य परिवारों का लाभ से वंचित होना।
3. **FPS में भ्रष्टाचार**: खाद्य पदार्थों का माप कम करना, घटिया सामान बेचना या अधिक कीमत वसूलना।
4. **अपर्याप्त गोदाम सुविधाएँ**: अनाज का खराब होना और बर्बादी।

महापरिनिर्वाण दिवस / Mahaparinirvana day

महापरिनिर्वाण दिवस 6 दिसंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर मनाया जाता है, जो भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता और समानता के अधिवक्ता थे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर :

1. जन्म: 14 अप्रैल 1891, महू, मध्य प्रदेश, भारत।
2. जन्म स्थान: महू, मध्य प्रदेश, जो उस समय ब्रिटिश भारत में था।
3. मृत्यु: 6 दिसंबर 1956, दिल्ली, भारत।
4. सम्मान: भारत सरकार द्वारा 1990 में 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।
5. महत्वपूर्ण आंदोलन: महाड सत्याग्रह (1927), कलाराम मंदिर प्रवेश सत्याग्रह (1930), और धार्मिक और सामाजिक समानता के लिए उनके कई आंदोलनों में भागीदारी।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान :

1. **दलित अधिकारों के समर्थक:**
   - जातिवाद और अछूतता के खिलाफ संघर्ष किया।
   - महाड सत्याग्रह (1927) और कलाराम मंदिर प्रवेश सत्याग्रह (1930) में दलितों के अधिकारों की रक्षा की।
2. **भारतीय संविधान का निर्माण:**
   - मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में भारतीय संविधान तैयार किया।
   - संविधान में समानता, न्याय और मानवाधिकारों के सिद्धांत समाहित किए।
3. **सामाजिक सुधार:**
   - महिलाओं के अधिकार, शिक्षा और सामाजिक न्याय के लिए आंदोलन किए।
   - हिंदू कोड बिल को पारित करने में भूमिका निभाई, जो महिलाओं को संपत्ति और विवाह में अधिकार प्रदान करता था।
4. **श्रमिक अधिकार:**
   - भारतीय श्रमिक पार्टी के संस्थापक सदस्य।
   - औद्योगिक श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन, कार्य समय और सामाजिक सुरक्षा की मांग की।

सकल घरेलू उत्पाद / Gross domestic product

मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 6.3% कर दिया है। इससे पहले, मल्टीनेशनल इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी ने इसे 6.7% रहने का अनुमान जताया था।

मुख्य बिंदु:

1. **GDP ग्रोथ रेट संशोधन**: मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत की GDP ग्रोथ का अनुमान 6.7% से घटाकर 6.3% कर दिया है।
2. **जुलाई-सितंबर 2024 में GDP ग्रोथ**:
   - भारत की GDP ग्रोथ 5.4% (YoY) रही, जो मार्च 2023 के बाद सबसे निचले स्तर पर है।
   - मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के खराब प्रदर्शन की वजह से GDP में गिरावट दर्ज की गई।
3. **तिमाही तुलना**:
   - Q1FY25 में GDP ग्रोथ 6.7% थी।
   - Q2FY24 में यह 8.1% थी।
   - 2023 की तीसरी तिमाही में GDP ग्रोथ 4.3% रही।
4. **GVA ग्रोथ के आंकड़े**:
   - जुलाई-सितंबर 2024 में GVA ग्रोथ 5.6% रही।
   - Q2FY24 में यह 7.7% थी।
   - Q1FY25 में GVA ग्रोथ 6.8%.

GDP और GVA: एक संक्षिप्त परिचय:

1. **GDP (सकल घरेलू उत्पाद)**:
   - GDP किसी देश में एक निर्धारित अवधि के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापती है।
   - इसमें देश की सीमा के अंदर विदेशी कंपनियों द्वारा किया गया उत्पादन भी शामिल होता है।
   - यह देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति और विकास को दर्शाती है।
2. **GDP के प्रकार**:
   - **रियल GDP**: वस्तुओं और सेवाओं की वैल्यू बेस ईयर (2011-12) की स्थिर कीमतों पर मापी जाती है।
   - **नॉमिनल GDP**: वस्तुओं और सेवाओं की वैल्यू वर्तमान कीमतों पर मापी जाती है।
3. **GVA (सकल मूल्य वर्धन)**:
   - GVA से अर्थव्यवस्था के कुल उत्पादन और आय का आकलन होता है।
   - यह बताता है कि इनपुट लागत और कच्चे माल की कीमत निकालने के बाद वस्तुओं और सेवाओं का शुद्ध उत्पादन कितना हुआ।
   - GVA से किसी विशेष क्षेत्र, उद्योग, या सेक्टर के योगदान का पता चलता है।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per Year
Buy Now

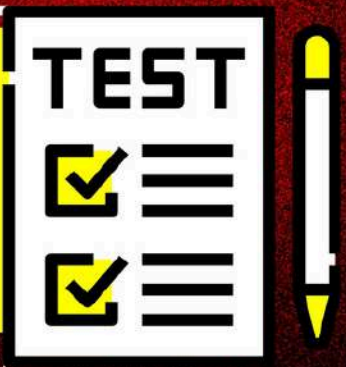

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !